भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 589

01 दिसंबर, 2021 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड

589. एडवोकेट ए. एम. आरिफ:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) में शेयरों के शत-प्रतिशत विनिवेश के अपने निर्णय के हो रहे विरोध पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह देखते हुए कि आरआईएनएल एक नवरत्न कंपनी है जो सार्वजनिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, सरकार इसके विनिवेश हेतु सिद्धांत रूप से दी गई अनुमति पर पुनर्विचार करने का इरादा रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या रक्षित लौह अयस्क खदानों की कमी के कारण इस्पात उत्पादन में आरआईएनएल को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का समान अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करने हेतु ऐसी खदानों का आवंटन करने का इरादा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) और (ख): राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के विनिवेश के संबंध में निर्णय पर पुनर्विचार हेतु मंत्रालय में कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। आरआईएनएल के रणनीतिक विनिवेश का निर्णय सरकार द्वारा अधिसूचित आत्मानिर्भर भारत के लिए नई सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (पीएसई) नीति के अनुरूप लिया गया है। आरआईएनएल के विनिवेश के संबंध में निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है। भारत सरकार की इक्विटी के रणनीतिक विनिवेश से इष्टतम उपयोग हेतु पूंजी का समावेश, क्षमता का विस्तार, प्रौद्योगिकी का संचार होगा और प्रबंधन प्रक्रियाएं बेहतर होंगी। इससे उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा।

(ग) और (घ): आरआईएनएल ने इस्पात निर्माण हेतु लौह अयस्क की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एनएमडीसी के साथ करार किया है। आरआईएनएल ने विभिन्न राज्य सरकारों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश से एमएमडीआर अधिनियम 2015 की धारा 17 क (2क) के तहत खान मंत्रालय, भारत सरकार से लौह अयस्क भंडार के आरक्षण की सिफारिश करने के लिए अनुरोध किया है। इस्पात मंत्रालय ने ओडिशा सरकार से भी आरआईएनएल के पक्ष में एक लौह अयस्क ब्लॉक के आरक्षण के लिए अनुरोध किया है।

****